

प्रश्न-पत्र की योजना

कक्षा – X  
विषय – हिन्दी  
अवधि – 2 घण्टे 45 मिनट

पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

| क्र.सं. | उद्देश्य   | अंकभार | प्रतिशत |
|---------|------------|--------|---------|
| 1.      | ज्ञान      | 16     | 20%     |
| 2.      | अवबोध      | 32     | 40%     |
| 3.      | अभिव्यक्ति | 24     | 30%     |
| 4.      | मौलिकता    | 08     | 10%     |
| योग :-  |            | 80     | 100%    |

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

| क्र. सं. | प्रश्नों का प्रकार | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रति प्रश्न | कुल अंक प्रतिशत | प्रतिशत प्रश्नों का | संभावित समय |
|----------|--------------------|--------------------|------------------|-----------------|---------------------|-------------|
| 1.       | वस्तुनिष्ठ         | 12 + 6             | 1                | 18 (22.50%)     | 36%                 | 23 Min      |
| 2.       | अतिलघूत्तरात्मक    | 12                 | 1                | 12 (15%)        | 24%                 | 29 Min      |
| 3.       | लघूत्तरात्मक – I   | 13                 | 2                | 26 (32.50%)     | 26%                 | 44 Min      |
| 4.       | लघूत्तरात्मक – II  | 04                 | 3                | 12 (15%)        | 08%                 | 29 Min      |
| 5.       | निबंधात्मक         | 03                 | 4                | 12 (15%)        | 06%                 | 40 Min      |
|          | योग                | 50                 |                  | 80 (100%)       | 100%                | 165 Min     |

विकल्प योजना : आन्तरिक

3. विषय वस्तु का अंकभार –

| क्र.सं. | विषय वस्तु                    | अंकभार | प्रतिशत |
|---------|-------------------------------|--------|---------|
| 1       | अपठित बोध – गद्यांश व पद्यांश | 10     | 12.50%  |
| 2       | व्यावहारिक व्याकरण            | 10     | 12.50%  |
| 3       | पाठ्यपुस्तक – क्षितिज – गद्य  | 19     | 23.75%  |
| 4       | पाठ्यपुस्तक – क्षितिज – पद्य  | 19     | 23.75%  |
| 5       | पूरक पुस्तिका – कृतिका        | 10     | 12.50%  |
| 6       | रचना – निबन्ध                 | 04     | 05%     |
| 7       | रचना – पत्र                   | 04     | 05%     |
| 8       | रचना – विज्ञापन लेखन          | 04     | 05%     |
|         |                               |        |         |
|         | योग :-                        | 80     | 100%    |

## प्रश्न-पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा — X

विषय :— हिन्दी

पूर्णांक — 80

| क्र. सं. | उद्देश्य इकाई / उप इकाई       | ज्ञान      |          |       |       |       | अवबोध     |          |        |       |       | ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति |          |       |       |       | कौशल / मौलिकता |          |       |       |       | योग    |        |
|----------|-------------------------------|------------|----------|-------|-------|-------|-----------|----------|--------|-------|-------|-------------------------|----------|-------|-------|-------|----------------|----------|-------|-------|-------|--------|--------|
|          |                               | वस्तुनिष्ठ | अति. लघु | लघु   |       | निबं. | वस्तुष्टि | अति. लघु | लघु    |       | निबं. | वस्तुष्टि               | अति. लघु | लघु   |       | निबं. | वस्तुष्टि      | अति. लघू | लघु   |       | निबं. |        |        |
|          |                               |            |          | लघु 1 | लघु 2 |       |           |          | लघु 1  | लघु 2 |       |                         |          | लघु 1 | लघु 2 |       |                |          | लघु 1 | लघु 2 |       |        |        |
| 1        | अपठित बोध – गद्यांश व पद्यांश | 3 (3)      | —        | —     | —     | —     | 7(7)      | —        | —      | —     | —     | —                       | —        | —     | —     | —     | —              | —        | —     | —     | —     | —      | 10(10) |
| 2        | व्यावहारिक व्याकरण            | 4(4)       | —        | —     | —     | —     | 2(2)      | 3(3)     | —      | —     | —     | —                       | —        | 1(1)  | —     | —     | —              | —        | —     | —     | —     | —      | 10(10) |
| 3        | पाठ्यपुस्तक – क्षितिज – गद्य  | —          | 1(1)     | 1(1)  | ½(—)  | —     | —         | 1(1)     | 4(4)   | 1(1)  | —     | —                       | —        | 1(1)  | 5(—)  | 2(1)  | —              | —        | —     | —     | 2½(—) | —      | 19(10) |
| 4        | पाठ्यपुस्तक – क्षितिज – पद्य  | —          | 2(2)     | 1(—)  | ½(—)  | —     | —         | —        | 4(4)   | 1(1)  | —     | —                       | —        | 1(1)  | 5(1)  | 2(1)  | —              | —        | —     | —     | 2½(—) | —      | 19(10) |
| 5        | पूरक पुस्तिका – कृतिका        | 1(1)       | 1(1)     | —     | —     | —     | 1(1)      | 1(1)     | 3(3)   | —     | —     | —                       | —        | —     | 3(—)  | —     | —              | —        | —     | —     | —     | —      | 10(7)  |
| 6        | रचना – निबन्ध                 | —          | —        | —     | —     | —     | —         | —        | —      | —     | 1(—)  | —                       | —        | —     | —     | 2(1)  | —              | —        | —     | —     | 1(—)  | 4(1)   |        |
| 7        | रचना – पत्र                   | —          | —        | —     | —     | 1(—)  | —         | —        | —      | —     | 1(1)  | —                       | —        | —     | —     | 1(—)  | —              | —        | —     | —     | 1(—)  | 4(1)   |        |
| 8        | रचना – विज्ञापन लेखन          | —          | —        | —     | —     | —     | —         | —        | —      | —     | 2(1)  | —                       | —        | —     | —     | 1(—)  | —              | —        | —     | —     | 1(—)  | 4(1)   |        |
|          |                               |            |          |       |       |       |           |          |        |       |       |                         |          |       |       |       |                |          |       |       |       |        |        |
|          | योग :-                        | 8(8)       | 4(4)     | 2(1)  | 1(—)  | 1(—)  | 10(10)    | 5(5)     | 11(11) | 2(2)  | 4(2)  | —                       | 3(3)     | 13(1) | 4(2)  | 4(1)  | —              | —        | —     | 5(—)  | 3(—)  | 80(50) |        |
|          | कुल योग :-                    | 16 (13)    |          |       |       |       | 32 (30)   |          |        |       |       | 24 (7)                  |          |       |       |       | 8 (—)          |          |       |       |       | 80(50) |        |

विकल्पों की योजना :— प्र.सं. 17 से 23 में एकान्तिक आंतरिक विकल्प है

नोट :— कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

निर्देश :— प्रश्न-पत्र में मूल रूप से 23 प्रश्न हैं, जो प्रकारान्तर से 50 प्रश्न बनाए गए हैं।

हस्ताक्षर

# माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

## मॉडल प्रश्न पत्र माध्यमिक परीक्षा 2022

### विषय – हिन्दी

कक्षा – 10

समय: 2 घण्टे 45 मिनट

पूर्णांक – 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न क्रमांक 15 से 23 तक में आन्तरिक विकल्प है।

### खण्ड – अ

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों का उत्तर लिखिए –  $5 \times 1 = 5$

अनुशासन ही वह कुंजी है; जिससे हम जीवन का विकास कर पाते हैं तथा सफलता के अनेक चरण छूते हैं। यदि हम देखें तो समूची प्रकृति भी एक अनुशासन में बंधी हुई है। सूर्य का नित्य प्रति एक ही दिशा में उगना तथा उसी तरह अस्त होना अनुशासन के ही प्रमाण हैं। चंद्रमा, तारे, बादल, सबका अपना अनुशासन है। जब किसी का अनुशासन भंग होता है तब कुछ अप्रतीक्षित तथा विध्वंसकारी घटनाएँ घटित होती हैं। समुद्र में ज्वार-भाटा आने पर भी समुद्र मर्यादित रहता है। एक निश्चित गति से पृथ्वी का सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाना या अनेक उपग्रहों का अपनी गति से गतिमान रहना उनके अनुशासन का ही परिचायक है। ठीक इसी प्रकार विद्यार्थी के जीवन में भी अनुशासन का अत्यधिक महत्त्व है। विद्यार्थी-जीवन व्यक्ति के सघन साधना का काल है जिसमें वह स्वयं का शारीरिक, मानसिक तथा रचनात्मक निर्माण करता है।

अनुशासन दो प्रकार का होता है— पहला— आत्मानुशासन दूसरा— बाह्यानुशासन। आत्मानुशासन की प्रेरणा विद्यार्थी के जीवन निर्माण की पहली सीढ़ी है। दूसरी ओर बाह्यानुशासन स्वयं के अलावा किसी दूसरे व्यक्ति के दबाव होने तथा उसके अधिकारों के कारण माना जाने वाला अनुशासन है। चूँकि विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने की अवस्था में बालक का निर्माण सीखने की प्रक्रिया में होता है। इसलिए इस अवस्था में जो वह सीखता है, वे उसके जीवन के स्थाई मूल्य बन जाते हैं।

1. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक है—

1

(अ) अनुशासन

(ब) अनुशासन के प्रकार

(स) अनुशासन का महत्त्व (द) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व

2. अनुशासन कितने प्रकार का होता है ?

1

(अ) चार

(ब) दो

(स) तीन

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. व्यक्ति के जीवन का सघन साधना का काल है —

1

- (अ) बाल्यकाल (ब) वानप्रस्थ काल  
(स) विद्यार्थी जीवन (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. अनुशासन के प्रमाण है —

1

- (अ) सूर्य का नित्यप्रति एक ही दिशा में उगना (ब) समुद्र में ज्वार भाटा आने पर भी मर्यादित रहना  
(स) पृथ्वी का सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाना (द) उपर्युक्त सभी

5. व्यक्ति के जीवन में किसका गहरा महत्व है ?

1

- (अ) प्राकृतिक घटनाओं का (ब) दूसरों के अधिकारों के कारण माने-जाने वाले अनुशासन का  
(स) सीखने की प्रक्रिया का (द) अनुशासन का

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

5x1=5

वह स्वाधीन किसान रहा  
अभिमान भरा आंखों में इसका  
छोड़ उसे मंझधार आज  
संसार कगार सदृश वह खिसका  
लहराते वे खेत दृगों में  
हुआ बेदखल वह अब जिनसे  
हंसती थी उसके जीवन की  
हरियाली जिनके तृन-तृन से  
आंखों ही में घूमा करता  
वह उसकी आंखों का तारा,  
कारकुनों की लाठी से जो  
गया जवानी ही में मारा !  
बिना दवा-दर्पन के घरनी  
स्वरग चली, आंखे आती भर,  
देख-देख के बिना दुधमुंही  
बिटिया दो दिन बाद गई मर  
उजरी उसके सिवा किसे कब  
पास दुहाने आने देती ?

अह, आंखों में नाचा करती  
 उजड़ गई जो सुख की खेती  
 पिछले सुख की स्मृति आंखों में  
 क्षणभर एक चमक है लाती  
 तुरंत शून्य में गड़ वह चितवन  
 तीखी नोक सदृश बन जाती।

6. उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक है :— 1
- (अ) वे आंखें (ब) खेती  
 (स) किसान (द) शोषण
7. इस काव्यांश में किसकी पीड़ा का वर्णन है ? 1
- (अ) मजदूर (ब) व्यापारी  
 (स) किसान (द) उपर्युक्त सभी का
8. 'कारकून' का शाब्दिक अर्थ है :— 1
- (अ) शोषक (ब) जमींदार का कार्मिक  
 (स) शोषित (द) राजा
9. 'आंखों' का तारा होना ' का तात्पर्य है :— 1
- (अ) अत्यधिक प्रिय होना (ब) अत्यधिक बुरा लगना  
 (स) आंखों की चमक (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं
10. काव्यांश में वर्णित पीड़ित वर्ग की आंखों में चमक कब आती है ? 1
- (अ) शोषण से पूर्व की संपन्नता को याद करने पर (ब) अपनी प्रशंसा सुनकर  
 (स) व्यापारी द्वारा बुलाने पर (द) भविष्य में संपन्न होने की कल्पना करने पर
11. 'माता का अँचल' कृति के रचनाकार है ? 1
- (अ) शिवपूजन सहाय (ब) मधु कांकरिया  
 (स) कमलेश्वर (द) शिव प्रसाद मिश्र 'कद्र '
12. 'जार्ज पंचम की नाक' कहानी का उद्देश्य है :— 1
- (अ) औपनिवेशिक दौर की मानसिकता को चोट करना (ब) विदेशी आकर्षण की भर्त्सना करना  
 (स) व्यावसायिक पत्रकारिता का पर्दाफाश करना (द) उपर्युक्त सभी

## 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :-

6x1=6

1. भाववाचक संज्ञा की रचना मुख्य ..... प्रकार के शब्दों से होती है। 1
2. सर्वनाम ..... प्रकार के होते हैं। 1
3. शब्द जो किसी वस्तु, पदार्थ या जगह की मात्रा, तौल या माप का बोध कराते हैं वे ..... कहलाते हैं। 1
4. हिन्दी क्रिया पदों का मूल रूप ही ..... है। 1
5. उपसर्ग शब्द के ..... जुड़कर शब्द का अर्थ बदल देते हैं। 1
6. वे प्रत्यय जो धातु अथवा क्रिया के अंत में लगकर नए शब्दों की रचना करते हैं उन्हें ..... प्रत्यय कहते हैं। 1

## 3. निम्नलिखित अति लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा लगभग 20 शब्द है। 12x1=12

1. संधि एवं संयोग में क्या अन्तर है ? 1
2. 'समास' शब्द की परिभाषा लिखिए। 1
3. तिल का ताड़ बनाना ' मुहावरे का अर्थ लिखिए। 1
4. ' आप भले तो जग भला ' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए 1
5. चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ? 1
6. एक कहानी यह भी ' रचना में मन्नू भण्डारी के साथ-साथ और किसका व्यक्तित्व उभरकर आया है ? 1
7. सुषिर-वाद्यों से क्या अभिप्राय है ? 1
8. उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई है ? 1
9. ' राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद ' रामचरितमानस के किस कांड से लिया गया है ? 1
10. ' उत्साह ' कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है ? 1
11. 'माता का अँचल' पाठ के उन प्रसंगों के नाम लिखिए जो आपके दिल को छू गए हो ? 1
12. ' साना-साना हाथ जोड़ि.....' यात्रावृत्त में भारत के किस क्षेत्र की यात्रा का वर्णन है ? 1

## खण्ड – (ब)

निर्देश :- प्रश्न सं. 04 से 16 तक के लिए प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम उत्तर सीमा 40 शब्द है।

4. हालदार साहब को दूसरी बार देखने पर मूर्ति में क्या अंतर दिखाई दिया ? 2
5. बालगोबिन भगत किस प्रकार के व्यक्तियों को अधिक स्नेह का पात्र मानते थे और क्यों ? 2
6. लेखक ने सेकण्ड क्लास का रेल टिकट लेने का क्या कारण बताया है ? ' लखनवी अंदाज ' अध्याय के आधार पर लिखिए। 2
7. 'काशी' की क्या विशेषताएँ बताई गई है ? संक्षेप में लिखिए । 2
8. सूरदास जी ने उद्धव एवं कमल-पत्र में क्या समानता बताई है ? 2
9. ' दोहा ' नामक छंद के लक्षण लिखिए। 2
10. ' कन्यादान ' कविता में एक माँ अपनी बेटी को क्या सीख दे रही है ? संक्षेप में लिखिए। 2

- 11 ' अट नहीं रही है' कविता के आधार पर फाल्गुन ऋतु के सौन्दर्य को संक्षेप में लिखिए। 2
- 12 " महतारी के हाथ से खाने पर बच्चों का पेट भी भरता" ऐसा क्यों कहा गया ? " माता का 2  
 अँचल" अध्याय के आधार पर संक्षेप में उत्तर लिखिए।
13. नयी दिल्ली का काया पलट क्यों किया जा रहा था ? " जॉर्ज पंचम की नाक " अध्याय के आधार 2  
 पर संक्षेप में लिखिए।
14. नार्गे ने " धर्मचक्र" की क्या विशेषता बताई ? "साना-साना हाथ जोड़ि" अध्याय के आधार 2  
 लिखिए।
15. " मन्नू भण्डारी " का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए। 2  
 अथवा
- रामवृक्ष बेनीपुरी का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए। 2
16. जयशंकर प्रसाद का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए। 2  
 अथवा
- गिरिजा कुमार माथुर का जीवन व कृतित्व परिचय संक्षेप में लिखिए। 2

### खण्ड – स

17. निम्नांकित पठित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :- 1+2=3  
 (उत्तर – सीमा लगभग 60 शब्द)
- काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है। यह आयोजन पिछले कई बरसों से संकटमोचन मंदिर में होता आया है। यह मंदिर शहर के दक्षिण में लंका पर स्थित है व हनुमान जयंती के अवसर पर यहाँ पाँच दिनों तक शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन-वादन की उत्कृष्ट सभा होती है। इसमें बिस्मिल्ला खाँ अवश्य रहते हैं। अपने मजहब के प्रति अत्यधिक समर्पित उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ की श्रद्धा काशी विश्वनाथ जी के प्रति अपार है। वे जब भी काशी से बाहर रहते हैं तब विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते हैं, थोड़ी देर ही सही मगर उसी ओर शहनाई का प्याला घुमा लिया जाता है.....।

अथवा

होश सँभालने के बाद से ही जिन पिता जी से किसी-न-किसी बात पर हमेशा मेरी टक्कर ही चलती रही, वे तो न जाने कितने रूपों में मुझमें हैं ..... कहीं कुंठाओं के रूप में, कहीं प्रतिक्रिया के रूप में तो कहीं प्रतिच्छाया के रूप में। केवल बाहरी भिन्नता के

आधार पर अपनी परंपरा और पीढ़ियों को नकारने वालों को क्या सचमुच इस बात का बिल्कुल अहसास नहीं होता कि उनका आसन्न अतीत किस कदर उनके भीतर जड़ जमाएं बैठा रहता है? समय का प्रवाह भले ही हमें दूसरी दिशाओं में बहाकर ले जाए ..... स्थितियों का दबाव भले ही हमारा रूप बदल दें, हमें पूरी तरह उससे मुक्त तो नहीं ही कर सकता ?

1+2=3

18. निम्नलिखित पठित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :-

1+2=3

(उत्तर – सीमा लगभग 60 शब्द)

कहउ लखन मुनि सील तुम्हारा। को नहि जान बिदित संसारा।।  
माता पितहि उरिन भए नीकें। गुररिनु रहा सोचु बढ जी कें।।  
सो जनु हमरेहि माथे काढ़ा। दिन चलि गये ब्याज बढ बाढ़ा।।  
अब आनिअ ब्यवहरिआ बोली। तुरत देउँ मैं थैली खोली।।  
सुनि कटु बचन कुठार सुधारा। हाय हाय सब सभा पुकारा।।  
भृगुबर परसु देखाबहु मोही। विप्र बिचारि बचौं नृपद्रोही।।  
मिले न कबहूँ सुमट रन गाढ़े। द्विज देवता धरहि के बाढ़े।।  
अनुचित कहि सबु लोगु पुकारे। रघुपति सयनहिं लखनु नेवारे।।  
लखन उतर आहुति सरिस भृगुबर कोपु कृसानु।  
बढ़त देखि जल सम बचन बोले रघुकुल भानु।।

अथवा

एक के नहीं,  
दो के नहीं,  
ढेर सारी नदियों के पानी का जादू,  
एक के नहीं,  
दो के नहीं,  
लाख-लाख कोटि-कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमा,  
एक के नहीं,  
दो के नहीं,  
हज़ार-हज़ार खेतों की मिट्टी का गुण धर्म :  
फसल क्या है ?  
और तो कुछ नहीं है वह  
नदियों के पानी का जादू है वह  
हाथों के स्पर्श की महिमा है  
भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण-धर्म हैं

रूपांतर है सूरज की किरणों का  
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का !

19. बालगोविन भगत को साधु क्यों कहा गया है ? विस्तार से वर्णन कीजिए। 3  
(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)  
अथवा  
नवाब साहिब ने अपने खानदानी रईस होने का भाव किस प्रकार प्रकट किया ? 3  
'लखनवी अंदाज' व्यंग्य लेख के आधार पर लिखिए।  
(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)
20. गोपियों के द्वारा 'हमारैं हरि हारिल की लकड़ी', कहने का क्या तात्पर्य है ? 3  
(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)  
अथवा  
'उत्साह' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए। 3  
(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

### खण्ड – 'द'

- प्रश्न-21 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर 300-350 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध 4  
लिखिए।
- (अ) राष्ट्रीय एकता  
(i) प्रस्तावना  
(ii) राष्ट्र के लिए 'एकता' आवश्यक  
(iii) एकता के बाधक तत्त्व  
(iv) एकता के पोषक तत्त्व  
(v) उपसंहार
- (ब) पर्यावरण प्रदूषण : कारण और निवारण  
(i) प्रदूषण क्या है ?  
(ii) प्रदूषण के प्रकार  
(iii) प्रदूषण के कारण  
(iv) प्रदूषण निवारण के उपाय  
(v) उपसंहार
- (स) सड़क सुरक्षा  
(i) सड़क सुरक्षा का तात्पर्य  
(ii) सड़क सुरक्षा की आवश्यकता  
(iii) सड़क सुरक्षा के उपाय  
(iv) उपसंहार

- (द) मातृभाषा और उसका महत्त्व  
(i) मातृभाषा का अर्थ  
(ii) शिक्षा का मातृभाषा से सम्बन्ध  
(iii) सांस्कृतिक विकास में मातृभाषा का महत्त्व  
(iv) उपसंहार

प्रश्न-22      आपका नाम गौरव है, आप अपने विद्यालय की क्रिकेट टीम के कप्तान हैं।      4  
विद्यालय में अधिक खेल सामग्री मंगवाने के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र  
लिखिए।      (उत्तर सीमा लगभग 300 शब्द)

अथवा

पढ़ाई हेतु छात्रावास में रह रहे अपने छोटे भाई को पत्र लिखकर 'कोरोना-वायरस संक्रमण' से बचाव हेतु विभिन्न उपायों की जानकारी दीजिए।

प्रश्न-23      आपका मित्र फूलों से बनी वस्तुओं – गुलदस्तें, हार, मालाएँ आदि की बिक्री      4  
बढ़ाना चाहता है। उसकी सहायता के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।  
(उत्तर सीमा लगभग 25 से 50 शब्द)

अथवा

'कला अंकुर' संस्था की कलावीथि में कुछ चित्र (पेंटिंग्स) बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।  
इस हेतु एक विज्ञापन लगभग 25 से 50 शब्दों में लिखिए।